आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 306 | उज्जैन, गुरूवार 25 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पोर्टल और मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम का करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 सितम्बर को सागर जिले के जैसीनगर में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पोर्टल और मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नीति-2025 लागू की गयी है। इस नीति के तहत राज्य के जिलों में पाईप लाईन बिछाकर उपभोक्ताओं को पीएनजी (पाईप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन प्रदाय किये जायेंगे। साथ ही वाहनों के लिए सीएनजी स्टेशन स्थापित किये जायेंगे, इससे घर-घर स्वच्छ और सस्ता ईंधन उपलब्ध होगा। राज्य सरकार का लक्ष्य निवेशकों को

आकर्षित करना और मध्यप्रदेश को भारत के अग्रणी ग्रीन एनर्जी हब के रूप में स्थापित करना है।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा के सार्वजनिक उचित मूल्य दुकानों से वितरित होने वाले राशन की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जायेगा। उपभोक्ताओं में ÷आपका राशन-आपका अधिकार÷ संबंधी जागरूकता के लिये शिविरों का आयोजन किया जायेगा। खाद्यान्न प्राप्त होते ही पंजीबद्ध उपभोक्ताओं को एसएमएस से राशन की मात्रा संबंधी जानकारी मिलेगी। उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न पहुंचने की जानकारी भी उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से मिलेगी।

सिंगल विंडो पोर्टल के लाभ

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के विकास के लिए सीएनजी स्टेशन संचालित करने के लिए एनओसी एवं पाईपलाईन बिछाये जाने हेतु अनुमति दिये जाने का प्रावधान है। इसी के लिए सिंगल विंडो पोर्टल का निर्माण किया गया है। जिला स्तर पर विभिन्न प्रकार की अनुमतियां देने के लिए कलेक्टर को सिंगल विंडो पोर्टल के लिये अधिकृत किया गया है।

आवेदक संस्था द्वारा सिंगल विंडो पोर्टल पर जिला कलेक्टर को आवेदन कर, निर्धारित समय-सीमा में एनओसी/अनुमति प्राप्त की जा सकेगी। एनओसी अधिकतम समय-सीमा 60 दिन एवं अनुमति प्राप्त करने के लिये अधिकतम 77 दिवस निर्धारित की गई है।

हितग्राही को लाभ

जिलों में पाईपलाईन के माध्यम से उपभोक्ताओं के घरों तक निर्वाध रूप से पीएनजी का प्रदाय किया जाता है। इससे उपभोक्ताओं के घरों में निर्वाध गैस की उपलब्धता बनी रहेगी। इसका उपयोग खाना पकाने एवं अन्य घरेलू कार्यों में किया जाता है, जो सस्ता एवं सुलभ है।

अपने नागरिकों पर बम गिराने से फुर्सत मिले तो..., UN में भारत का पाकिस्तान पर तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत के खिलाफ निराधार और भड़काऊ बयानों के जरिए मंच का दुरुपयोग करने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र में बोलते हुए, जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन क्षितिज त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करने के बजाय उसे खाली कर देना चाहिए और अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने पर फोकस करना चाहिए।

भारत ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को लेकर कहा है कि वह आखिरी सांस ले रहा है। शायद ये तब होगा जब पाकिस्तान को आतंकवाद का निर्यात करने, संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रतिबंधित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत मिले। पाकिस्तान की राजनीति सैन्य प्रभुत्व से दबी हुई है और मानवाधिकारों का रिकॉर्ड उत्पीड़न से दागदार है। त्यागी ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को सार्वभौमिक, वस्तुनिष्ठ और गैर-चयनात्मक रहना चाहिए। उन्होंने परिषद में सामूहिक प्रयासों का भी आह्वान किया, जिससे विभाजन के बजाय एकता और रचनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा मिले।

रेलवे कर्मचारियों को केंद्र सरकार का तोहफा, 78 दिन के बोनस का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को 6 बड़े फैसले लिए हैं।कैबिनेट ने कुल 94,916 करोड़ रुपयों का आवंटन किया है।

इस फैसले के तहत 10.91 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस के तौर पर 1865.68 करोड़ रुपये के भुगतान को मंजूरी दी गई। वहीं बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन के लिए 2192 करोड़ रुपयों का भुगतान किया गया है।

पात्र रेलवे कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है। इस साल भी लगभग 10.91 लाख अराजपत्रित रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी राशि का भुगतान किया जा रहा है।

पीएलबी का भुगतान रेलवे के प्रदर्शन में सुधार की दिशा में काम करने हेतु रेलवे कर्मचारियों को प्रेरित करने हेतु एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है।

गरबा से दूर रहना..., नवरात्र पर छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने मुस्लिमों से क्यों की ये अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम युवाओं से नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव के दौरान गरबा सहित धार्मिक आयोजनों में भाग न लेने की अपील की है। उन्होंने राज्य में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने में मदद करने का आग्रह किया है।

क्फ बोर्ड के अध्यक्ष का कहना है, अगर कोई मुस्लिम भाई या बहन ऐसे आयोजन में वेशभूषा और परंपरा का सम्मान करते हुए और आयोजन समिति की अनुमति लेकर भाग लेना चाहता है, तो कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

वक्फ बोर्ड ने क्या कहा- डॉ. राज ने एक बयान में कहा, ''नवरात्र हिंदू समाज का एक महत्वपूर्ण एवं पवित्र पर्व है, जिसमें माता जगदंबा की आराधना की जाती है। करोड़ों श्रद्धालु आस्था के साथ गरबा एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं।

डॉ. राज ने कहा- गरबा कोई साधारण नृत्य कार्यक्रम नहीं है। यह देवी दुर्गा की आराधना के लिए किया जाने वाला भक्तिपूर्ण लोकनृत्य है, जो जीवन के चक्र और देवी की असीम शक्ति का प्रतीक है। यदि मुस्लिम समाज मूर्ति पूजा में आस्था नहीं रखता है, तो उन्हें गरबा जैसे धार्मिक आयोजनों से दूर रहना चाहिए।

डॉ. राज ने स्पष्ट किया कि यदि कोई मुस्लिम भाई-बहन वेशभूषा और परंपरा का सम्मान करते हुए समिति से अनुमति लेकर भाग लेना चाहते हैं, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होगी लेकिन गलत नीयत से गरबा स्थलों में प्रवेश कर उपद्रव करने का प्रयास हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करता है।

विदा लेते हुए भी कई राज्यों को भिगो रहा मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों में अलग-अलग राज्यों में तबाही मचाने के बाद मानसून ने उत्तर भारत से वापसी शुरू कर दी है। हालांकि, लौटते हुए भी मानसूनी हवाएं कई राज्यों पर कहर बरसा रही हैं। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में पिछले 4 दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे इलाके में बाढ़ के हालात बन गए हैं।

वहीं, मौसम विभाग ने आज उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में तेज बरसात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और असम समेत उत्तर पूर्वी भारत के कई राज्यों में बारिश का येलो अलर्ट जारी हुआ है।

पश्चिम बंगाल में बारिश से 10 की मौत- बीते दिन पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भी मौसम ने अचानक करवट ले लिया। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में जोरदार बारिश के कारण 10 लोगों की मौत हो गई। कई जगहों पर बाढ़ के हालात बन गए हैं। राज्य सरकार ने स्कल-कॉलेज बंद रखने के आदेश दिए हैं।

वहीं, कल यानी 25 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव बनने की संभावना है, जिससे आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने उड़ीसा, झारखंड और छत्तीसगढ़ में तेज से बहुत तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। खासकर झारखंड में रांची समेत कई जिलों में तेज बरसात होने की संभावना है।

भारत में काम करने के लिए कानून का पालन करना होगा, कर्नाटक हाईकोर्ट से एक्स को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को कर्नाटक हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने एक्स द्वारा केंद्र सरकार के टेकडाउन ऑर्डर को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट से साफ कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भारत में काम करने के लिए देश के कानून का पालन करना होगा। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यूपी ने केंद्र से मांगे तालबेहट-कालिंजर किले, बरुआ सागर, सीएम योगी ने पीएम नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित तालबेहट किला (ललितपुर), कालिंजर किला (बांदा), मडफा (चित्रकूट), बरुआ सागर झांसी के घाट की सीढ़ियों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 के अंतर्गत राज्य सरकार को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने बुंदेलखण्ड की भौगोलिक तथा पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों का विवरण देते हुए कहा है कि बुंदेलखण्ड भारत का हृदयस्थल है। पहले इस क्षेत्र को दशार्ण दस नदियों का क्षेत्र, जेजाकभुक्ति और जुझौती कहा जाता था। यह क्षेत्र पाषाण काल से ही मानव की गतिविधियों का साक्षी रहा है। कालांतर में गुप्त एवं चंदेल राजाओं द्वारा यहां पर अनेक मंदिरों, किलों का निर्माण कराया गया है।

पत्र में मुख्यमंत्री ने यह भी अवगत कराया है कि शौर्य पराक्रम की गाथाओं से परिपूर्ण बुंदेलखण्ड भूभाग का भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के विकास में अमूल्य योगदान है तथा शैक्षणिक, सांस्कृतिक, कालात्मक, प्राकृतिक, अध्यात्मिक एवं धार्मिक दृष्टिकोंण से अत्यंत समृद्धशाली क्षेत्र है। किन्तु कतिपय कारणों से यह क्षेत्र उपेक्षित रहा। बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के अवसर पर आप द्वारा प्रेरणा दी गई थी कि बुंदेलखण्ड में स्थित महलों, किलों तथा स्मारकों को संरक्षित कर इन्हें पर्यटन की दृष्टि से विश्व पटल पर स्थापित कर इनका विकास कराया जाए।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री के निर्देशों के क्रम में राज्य सरकार के स्वामित्व में स्थित स्मारक स्थलों का संरक्षण, संवंधन एवं विकास कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। बुंदेलखण्ड के ऐतिहासिक महत्व को विश्व पटल पर प्रमुख स्थान प्राप्त होगा। इसके लिए विशेषज्ञ संस्था पर्यावरण, नियोजन और प्रौद्योगिकी केन्द्र (सीईपीटी यूनिवर्सिटी) अहमदाबाद से सर्वेक्षण एवं अध्ययन कराया गया है। सेप्ट ने अपने अध्ययन रिपोर्ट में कुल 31 स्थानों को चयनित किया है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इन चयनित स्थानों की संभवनाओं एवं उनके संरक्षण तथा विकास की रूपरेखा व कार्ययोजना तैयार की गई है।

H-1B वीजा पर ट्रंप के नए नियम क?या हैं, सिर्फ भारतीयों पर ही होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने नए एच-1बी वीजा आवेदनों के लिए 1,00,000 डॉलर (88.74 लाख रुपये) की भारी-भरकम शुल्क लगा दिया है। ट्रंप का यह नियम 21 सितंबर से लागू भी हो गया है। ट्रंप प्रशासन की ओर से ॥-1क्र वीजा आवेदन पर लगाई गई मोटी फीस के बाद भारत में असमंजस क स्थिति बनी हुई है।

जानना चाह रहे हैं कि नए नियम क्या हैं, क्या नए नियमों का असर सिर्फ भारतीय छात्रों पर ही पड़ेगा, क्या यह नियम पहले से जारी वीजा और नवीनीकरण पर भी लागू होगा

डोनल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम में कुछ बदलाव किए हैं,जो 21 सितंबर से लागू हो गए हैं। नए नियम के तहत हर नए एच-1बी वीजा आवेदन के साथ 100,000 डॉलर का शुल्क लगना शुरू हो गया है। यह नियम 21 सितंबर, 2025 से प्रभावी हो गया है।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इससे एच-1बी वीजा के दुरुपयोग पर रोक लगेगी और अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियों भी सुरक्षित होंगी। इसके अलावा, एच-1बी वीजा को सिर्फ कुशल और महंगे टैलेंट को ही मिलना चाहिए।

नहीं, यह असर सिर्फ भारतीय छात्रों व प्रोफेशनल्स पर ही नहीं, अन्य देशों के लोगों पर भी पड़ेगा। चीन, फिलीपींस, वियतनाम और यूरोप के कुछ देशों के छात्र और प्रोफेशनल्स H-1B पर अमेरिका जाते हैं। ये सब नए नियम से प्रभावित होते हैं। हां, प्रभावित होने वालों में सबसे अधिक संख्या भारतीय छात्रों और आईटी प्रोफेशनल्स की है। इसके अलावा, अमेरिकी कंपनिया भी प्रभावित होंगी, खासकर टेक कंपनियों को अब विदेशी टैलेंट हायर करना महंगा पड़ेगा।

पुराने सिस्टम में H-1B वीजा आवेदन फीस, वकील की फीस और अन्य प्रोसेसिंग चार्ज मिलाकर लगभग 5,000-10,000 डॉलर तक का खर्च आता था। डोनल्ड ट्रंप ने अब इसके ऊपर 1,00,000 डॉलर की एक्स्ट्रा फीस लगा दी है। यानी कि H-1B वीजा लेने के लिए अब मोटी फीस यानी 1,10,000 डॉलर तक की फीस देनी होगी, जबकि पहले ज्यादा से ज्यादा 10 हजार डॉलर खर्च होते थे।

क्या यह नियम पहले से जारी वीजा और नवीनीकरण पर भी लागू होगा?

नहीं, ट्रंप का यह नियम पहले से जारी H-1B वीजा पर लागू नहीं होगा।

एच-1बी वीजा रिन्युअल कराने वालों पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा।

21 सितंबर से पहले एच-1बी वीजा के लिए आवेदन करने वालों को भी बढ़ी हुई फीस नहीं देनी होगी।

क्या यह नियम लॉटरी पर भी लागू होगा- हां, ट्रंप प्रशासन का एच-1बी वीजा पर फीस बढ़ाने वाला नियम 2026 की लॉटरी पर भी लागू होगा।

Coldplay कॉन्ट्रोवर्सी में आया ट्विस्ट, HR हेड क्रिस्टिन कैबोट के पति भी इवेंट में थे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट का वायरल वीडियो एक बार फिर चर्चा में है। एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बायरन और एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट एक-दूसरे की बाहों में झूमते नजर आए थे। यह मुद्दा अभी थमा ही था कि मामले में एक और ट्विस्ट आ गया।

वायरल वीडियो के बाद एंडी और कैबोट को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। साथ ही दावा किया गया था कि घटना के दौरान

कैबोट के पति जापान में थे। मगर, अब इसपर नया खुलासा हुआ है।

कैबोट के पति पर बड़ा खुलासा- पीपल की रिपोर्ट के अनुसार, ÷कैबोट के पति जापान में नहीं थे, बल्कि वो सिएटल में हो रहे कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट में ही मौजूद थे। कैबोट लंबे समय से अपनी पति से अलग रह रही हैं। एक तरफ जहां कैबोट एंडी के साथ कॉन्सर्ट में पहुंचे थे, तो दूसरी तरफ कैबोट के पति भी अपनी कथित गर्लफ्रेंड के साथ कॉन्सर्ट में ही थे।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है- कैबोट और उनके पति पिछले कई हफ्तों से अलग रह रहे थे। कैबोट, एंडी के साथ एक बॉक्स में मौजूद थीं। कैबोट के पति एंड्रियू भी एक महिला के साथ कॉन्सर्ट में ही थे और वो महिला अब उनकी गर्लफ्रेंड है।

कॉन्सर्ट का वायरल वीडियो- बता दें कि कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट में कैबोट, एंडी की बांहों में झूमती दिखाई दी थीं।

पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग का हिंदुओं पर सबसे अधिक प्रभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की गलत प्राथमिकताएं हिंदुओं और सिंधियों के खिलाफ अपमानजनक कानूनों और धार्मिक उग्रवाद के करूर उपयोग में स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू इन विकृत प्राथमिकताओं का शिकार बनते हैं क्योंकि ईशनिंदा के आरोप, जो अक्सर व्यक्तिगत विवादों या पूर्वाग्रहों के आधार पर बनाए जाते हैं, गैर-मुसलमानों के खिलाफ आतंक के उपकरण बन गए हैं।

श्रीलंका के प्रमुख समाचार पत्र द डेली मिरर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में पिछले तीन वर्षों में ऐसे मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। केवल 2024 में, कम से कम 475 मामले दर्ज किए गए हैं। यह संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ी है, जो दर्शाती है कि देश में कानून का कितना आसानी से दुरुपयोग किया जा रहा है।

अपराधियों को मिला है खुला लाइसेंस - रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया, अपमान का एक झूठा आरोप हत्या करने वाले दंगाइयों को भड़का सकता है। हिंसा के अपराधियों को कभी सजा नहीं मिलती, जिससे और अधिक अत्याचारों को बढ़ावा मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार अपमानजनक कानून अल्पसंख्यकों के साथ निपटने के लिए एक खुला लाइसेंस प्रदान करते हैं।

फ्लोरिडा के गोल्फ कोर्स में कैसे बाल-बाल बचे थे ट्रंप? कोर्ट ने आरोपी को दी उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फ्लोरिडा से पिछले साल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। आरोपी डोनल्ड ट्रंप के घर के पास बंदूक लेकर रेकी करता पकड़ा गया था। उसपर ट्रंप की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा था। वहीं, अब यह आरोप सच साबित हो गया है। 59 वर्षीय रयान रॉथ सचमुच ट्रंप को मारने के इरादे से वहां पहुंचा था। तब ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा लेने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार बने थे। ट्रंप अपने घर के गार्डन में गोल्फ खेल रहे थे, तभी रयान फेंसिंग के बीच में बंदूक लगाकर ट्रंप पर निशाना साधने की कोशिश कर रहा था। रायन को दोषी मानते हुए अदालत ने उसे उम्र कैद की सजा सुनाई है।

पुलिस के द्वारा दायर की गई चार्जशीट के अनुसार, रयान ट्रंप पर निशाना साधने की कोशिश कर रहे थे, तभी अमेरिका के सीक्रेट सर्विस एजेंट पेट्रोलिंग करते हुए मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर रयान ने ओपन फायरिंग शुरू कर दी थी।

अदालत के अनुसार, ट्रंप को मारने की साजिश काफी सोच-समझ कर रची गई थी। अगर सीक्रेट सर्विस एजेंट समय पर न पहुंचते, तो ट्रंप आज जिंदा न होते।

ट्रायल के दौरान रयान ने ट्रंप को मारने के सभी आरोपों से इनकार कर दिया था।

ट्रंप के H-1B वीजा बम के बाद इस देश ने किया भारतीयों का स्वागत, कहा- आपके लिए यहां अच्छे मौके

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में H-1B वीजा कार्यक्रम को लेकर चल रहे विवाद और ट्रंप प्रशासन की ओर से वीजा शुल्क को बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर करने के फैसले ने भारतीय पेशेवरों के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

इस बीच, जर्मनी ने भारतीय प्रतिभाओं के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने भारतीय पेशेवरों से जर्मनी में आईटी, प्रबंधन, विज्ञान और तकनीक क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है।

उन्होंने मंगलवार को X पर लिखा, मैं सभी हाई स्किल्ड भारतीयों से अपील करता हूं। जर्मनी अपनी स्थिर आप्रवासन नीतियों और आईटी, प्रबंधन, विज्ञान और तकनीक में भारतीयों के लिए शानदार नौकरी के अवसरों के साथ खड़ा है।

एकरमैन ने एक वीडियो में बताया कि जर्मनी में काम करने वाले भारतीय वहां के औसत नागरिकों से अधिक कमाई करते हैं।उन्होंने कहा, जर्मनी में काम करने वाला औसत भारतीय, औसत जर्मन से ज्यादा कमाता है। हाई सैलरी इस बात का सबूत है कि भारतीय हमारे समाज और कल्याण में बड़ा योगदान दे रहे हैं। हम मेहनत में भरोसा करते हैं और सर्वश्रेष्ठ नौकरियां सर्वश्रेष्ठ लोगों को देते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जर्मनी की आप्रवासन नीतियां विश्वसनीय और आधुनिक हैं, जो बिना किसी अप्रत्याशित बदलाव के सुचारू रूप से काम करती हैं।

जर्मन राजदूत ने अमेरिका की बदलती आप्रवासन नीतियों पर तंज कसते हुए जर्मनी की नीतियों की तुलना जर्मन कारों से की, जो विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं।

पुलिस स्टेशन, गाड़ियां और बिजली के खंभे... बैंकॉक में सब लील गया पाताललोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में हमेशा चहल-पहल रहने वाली एक सड़क पर अचानक 50 मीटर गहरा गड्ढा बन गया। ये गड्ढा इतना खतरनाक बन की कि ऐसा लग रहा है जैसे ये सीधा पाताल लोक का रास्ता है। इस विशाल गड्ढे में तीन कारों और बिजली के कई खंभे अंदर चले गए। इस घटना ने शहर में हड़कंप मचा दिया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

क्या थी जमीन धंसने की वजह- बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टिपंट ने बताया कि यह हादसा एक भूमिगत ट्रेन स्टेशन के निर्माण कार्य के कारण हुआ। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन सड़क पूरी तरह से टूट गई।

सोशल मीडिया पर इस हादसे का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सड़क धीरे-धीरे धंसती दिख रही है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सड़क के नीचे का हिस्सा खिसकने से बिजली के खंभे गिर गए और पानी की पाइपलाइनें टूट गई। गड्ढा इतना बड़ा हो गया कि इसने चार लेन वाली सड़क समा गई।

अस्पताल की सेवाएं हुई प्रभावित- गड्ढे का दायरा इतना बढ़ गया कि यह पास के एक पुलिस स्टेशन के किनारे तक पहुंच गया। आसपास के एक अस्पताल को भी दो दिनों के लिए अपनी ओपीडी सेवाएं बंद करनी पड़ीं। हालांकि, शहर के अधिकारियों ने साफ किया कि अस्पताल की संरचना को कोई नुकसान नहीं हुआ है। फिर भी, पुलिस स्टेशन और आसपास की इमारतों को खाली करा लिया गया।

इस सबसे बड़े मुस्लिम देश के राष्ट्रपति ने UN में दिया धाकड़ भाषण, आखिर में बोले- ओम शांति, शांति ओम...

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने 80वें संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने 19 मिनट के जोशीले भाषण में वैश्विक शांति, न्याय और समान अवसरों की वकालत की।

उन्होंने चेतावनी दी कि डर, नस्लवाद, घृणा, उत्पीड़न और रंगभेद से प्रेरित मानवीय मूर्खता हमारी साझा भविष्य को खतरे में डाल रही है। अपने भाषण का समापन उन्होंने संस्कृत मंत्र ओम शांति, शांति ओम के साथ किया, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सामंजस्य का संदेश देता है।

गाजा में शांति को लेकर क्या बोले प्रबोवो सुबियांतो- राष्ट्रपति सुबियांतो ने गाजा और अन्य क्षेत्रों में शांति के लिए इंडोनेशिया की प्रतिबद्धता का जिक्र किया। उन्होंने घोषणा की कि इंडोनेशिया 20,000 या उससे अधिक सैनिकों को शांति मिशन के लिए तैनात करने को तैयार है।

उन्होंने कहा, इंडोनेशिया संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। हम केवल शब्दों से नहीं, बल्कि जमीनी कार्रवाई के साथ शांति की रक्षा करेंगे।

टू स्टेट सोल्यूशन का किया समर्थन- सुबियांतो ने गाजा के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि बेकसूर लोगों की चीख को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस संकट को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने की अपील की।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि दुनिया अनंत युद्धों और बढ़ती हिंसा के खतरनाक दौर में प्रवेश कर सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा, हिंसा किसी राजनीतिक संघर्ष का जवाब नहीं हो सकती, क्योंकि हिंसा केवल और हिंसा को जन्म देती है।

दंतेवाड़ा में बड़ा सरेंडर, 71 नक्सलियों ने एकसाथ डाले हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से 30 नक्सलियों पर 64 लाख का इनाम था। इस लिस्ट में कई प्रमुख नक्सली कमांडर भी मौजूद हैं। सरेंडर करने वाले नक्सली बामन मड़काम पर 8 लाख का इनाम, शमिला कवासी पर 5 लाख का इनाम और गंगी बारसे पर 5 लाख का इनाम था। इन सभी नक्सलियों पर जंगल काटने, पेड़ गिराने और पुलिस के साथ मुठभेड़ में शामिल होने का आरोप था।

पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी, डीआईजी कमलोचन कश्यप और एसपी गौरव राय समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया था। वहीं, नक्सलियों के आत्मसमर्पण में डीआरजी/बस्तर फाइटर्स, विशेष आसूचना शाखा और सीआरपीएफ समेत कई बटालियनों ने अहम भूमिका निभाई है।

नक्सलियों को मिलेगा पुनर्वास नीति का लाभ- आत्मसमर्पण के बाद इन नक्सलियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत सभी लाभ दिए जाएंगे। इनमें 50,000 रुपये की प्रारंभिक सहायता राशि, कौशल विकास प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर शामिल हैं। इन योजनाओं की मदद से वो सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे।

पुलिस की आक्रामक रणनीति और लगातार अभियानों के कारण माओवादी संगठन कमजोर हो रहा है, जिसका नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में नक्सली अब आत्मसमर्पण कर रहे हैं।

यह आत्मसमर्पण इस बात का प्रमाण है कि 'लोन वर्राटू' अभियान प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। इस अभियान के तहत अब तक 1113 से अधिक नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं।

गैस सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद लगी आग, 6 महिला समेत सात लोग झुलसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में बुधवार सुबह गैस सिलेंडर फटने से एक दुकान में आग लग गई। इस आग में छह महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए। यह जानकारी नगर निगम के अधिकारियों ने दी है।

उन्होंने बताया कि तीन लोग लगभग 90 प्रतिशत तक झुलस गए। कांदिवली (पूर्व) में मिलिट्री रोड पर अकुरली मेंटेनेंस चौकी के पास राम किसान मेस्त्री चॉल स्थित दुकान में सुबह 9.05 बजे आग लग गई।

एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग एक मंजिला दुकान में बिजली के तारों, उपकरणों, खाद्य पदार्थों, एलपीजी सिलेंडर और गैस चूल्हे तक ही सीमित थी। अधिकारियों के अनुसार, इसमें सात लोग घायल हो गए।

बीडीबीए अस्पताल में भर्ती रक्षा जोशी (47), दुर्गा गुप्ता (30) दोनों 85 से 90 प्रतिशत तक जली हुई थीं। वहीं पूनम (28) भी 90 प्रतिशत तक झुलस गई थीं। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल भेज दिया गया। ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती अन्य घायलों की पहचान नीतू गुप्ता (31) जानकी गुप्ता (39) और शिवानी गांधी (51) के तौर पर हुई है।

NEET में 99.99 पर्सेंटाइल पर मुझे डॉक्टर नहीं बनना, MBBS में एडमिशन से पहले छात्र ने की आत्महत्या

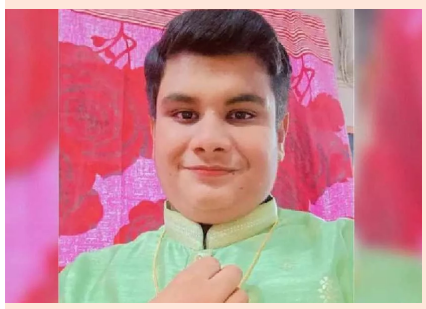

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक 19 वर्षीय एमबीबीएस छात्र ने आत्महत्या कर ली। कॉलेज में दाखिला लेने से ठीक पहले छात्र ने घर में ही फांसी लगाकर जान दे दी। इस घटना के पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

छात्र की पहचान अनुराग अनिल बोरकार के रूप में हुई है। छात्र को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित कॉलेज में एडमिशन लेने जाना था। मगर, घर से रवाना होने के पहले ही उसने मौत को गले लगा लिया।

आत्महत्या से पहले अनुराग ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने लिखा है कि वो डॉक्टर नहीं बनना चाहता था। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। अनुराग ने नीट यूजी परीक्षा 2025 में 99.99 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। ओबीसी कैटेगरी में अनुराग को नीट में ऑल इंडिया रैंक 1475 मिली थी।

कमरे से मिला सुसाइड नोट- पुलिस के अनुसार, गोरखपुर के लिए रवाना होने से पहले ही अनुराग ने अपने घर पर फांसी लगाकर जान दे दी। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस ने सुसाइड नोट का खुलासा नहीं किया है। मगर पुलिस सूत्रों के अनुसार, अनुराग डॉक्टर नहीं बनना चाहता था, इसलिए उसने आत्महत्या कर ली।

भारतीय भाषाओं और समावेशी विकास पर केंद्रित गूगल डीपमाइंडः डॉ. मनीष गुप्ता का बड़ा विजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में चर्चा का विषय बनी जेनरेटिव एआई को लेकर गूगल डीपमाइंड के इंडिया हेड डॉ. मनीष गुप्ता ने कहा है कि एआई मानव सभ्यता के लिए एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित होगी। जागरण मीडिया की विशेष श्रृंखला ÷द वर्ल्ड इज बज़िंग अबाउट एआई÷ में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि डीपमाइंड का मकसद केवल टेक्नोलॉजी को विकसित करना नहीं, बल्कि इसे समावेशी बनाना है ताकि हर व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंचे।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि भारत जैसी भाषाई विविधता वाले देश में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि एआई मॉडल सभी भाषाओं और बोलियों को सही ढंग से समझ सकें। इसी लक्ष्य के लिए प्रोजेक्ट वाणी की शुरुआत की गई, जिसके तहत देशभर के जिलों से लोकल भाषाओं का स्पीच डाटा संग्रहित किया जा रहा है। अब तक 143 जिलों से 100 से अधिक भाषाओं का डाटा जुटाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस डाटा को सरकारी भाषण प्रोग्राम के तहत ओपन सोर्स किया गया है, जिससे स्टार्टअप्स और शोधकर्ता नए मॉडल बना सकें।

डीपमाइंड भारतीय संदर्भ में ऊर्जा और हार्डवेयर की चुनौतियों को भी सुलझा रहा है। जेनरेटिव एआई मॉडल भारी मात्रा में बिजली और महंगे सर्वर पर चलते हैं, लेकिन टीम ने ऐसे इनोवेशन पर काम किया है जिससे लागत और ऊर्जा खपत कम की जा सके। इसका लक्ष्य है कि भारत की डेढ़ अरब आबादी भी एआई का लाभ बिना अतिरिक्त बोझ के उठा सके।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि एआई का सबसे बड़ा उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में हो सकता है। उन्होंने उदाहरण दिया कि किस तरह एआई आधारित मॉडल किसानों को फसल बीमा और सटीक जानकारी उपलब्ध कराने में मदद कर सकते हैं। वहीं, एनजीओ अरमान के साथ मिलकर चलाए गए हेल्थ प्रोग्राम ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य नतीजों में सुधार दिखाया है।

लालची डॉक्टर पैसों के लिए कर रहे सिजेरियन सर्जरी, सीएम चंद्रबाबू नायडू ने बताए आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने निजी स्वास्थ्य सेवा केंद्रों की तीखी आलोचना की है और राज्य में सिजेरियन (सी-सेक्शन) प्रसव की बढ़ते आंकड़ों के लिए लालची डॉक्टरों को जिम्मेदार ठहराया है।

राज्य विधानसभा में बोलते हुए नायडू ने इस चलन को खतरनाक और अनावश्यक बताया है, खासकर तब जब प्राकृतिक प्रसव एक व्यवहार्य और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब नए आंकड़ों से पता चलता है कि आंध्र प्रदेश देश में सबसे ज़्यादा सी-सेक्शन दरों वाले राज्यों में से एक है। राज्य में अब सभी प्रसवों में से 56.62त्न सर्जरी से किए जाते हैं।

नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि निजी अस्पताल इस आंकड़े के एक बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं और बताया गया है कि 90त्न सी-सेक्शन ऑपरेशन इन्हीं सेंटर्स में होते हैं।

मुहूर्त तय कर कराते हैं डिलीवरी- सीएम नायडू ने कहा, वे मुहूर्त (निश्चित शुभ समय) तय कर रहे हैं और फिर प्रसव करा रहे हैं। यह गलत है। उनका इशारा था कि कई सी-सेक्शन चिकित्सकीय जरूरत के बजाय सुविधा या अंधविश्वास के कारण किए जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंसानी शरीर की सर्जरी तब तक नहीं होनी चाहिए जब तक कि इसकी सख्त जरूरत न हो।

नायडू ने आगे बताया कि राज्य की स्वास्थ्य योजना, डॉ. एनटीआर वैद्य सेवा ट्रस्ट का एक बड़ा हिस्सा सी-सेक्शन प्रक्रियाओं पर खर्च किया जा रहा है। इससे सरकारी खजाने की बर्बादी हो रही है।

स्वास्थ्य मंत्री को निर्देश- मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्य कुमार यादव को इस मुद्दे का सीधा समाधान करने का निर्देश दिया है। सरकार निजी अस्पतालों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने की योजना बना रही है कि सर्जिकल प्रसव केवल चिकित्सकीय रूप से आवश्यक होने पर ही किए जाएं और प्राकृतिक प्रसव को प्राथमिकता दी जाए।

पहाड़ी राज्यों पर मंडरा रहा है खतरा..., मानसून में तबाही पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून के दौरान पहाड़ी राज्यों में भारी तबाही देखने को मिली। जम्मू कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश ने खूब तांडव मचाया। पिछले कुछ समय में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड्स और बाढ़ जैसे हालात आम हो गए थे। इस आपदा में कई लोगों की मौत हो गई। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट ने कमजोर हो रहे हिमालयन इकोसिस्टम पर चिंता व्यक्त की है।

पहाड़ी राज्यों में मानसून की बारिश का कई हिल स्टेशनों पर भी बुरा असर पड़ा। खासकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बादल फटने के कारण हजारों लोगों की जिंदगियां प्रभावित हुईं।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा, इस बार मानसून के दौरान तेज बारिश ने हिमाचल प्रदेश के कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पर गंभीर प्रभाव डाला है। इससे न सिर्फ कई लोगों की जान चली गई बल्कि संपत्ति को भी भारी नुकसान हुआ है।

कोर्ट के अनुसार, यह इस बात का सबूत है कि हिमाचल प्रदेश समेत सभी पहाड़ी राज्यों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

28 अक्टूबर तक मांगी रिपोर्ट- सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को नाजुक पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय स्थितियों के कारण बताते हुए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया है। इन आपदाओं के पीछे क्या वजह है? इस रिपोर्ट में भूकंप, भूस्खलन के कारण, घटते जंगल, पेड़ लगाने, जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने, सड़कों का डेटा जुटाने, खनन और पर्यटन से जुड़े प्रोजेक्ट जैसी चीजें भी शामिल करने के लिए कहा गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

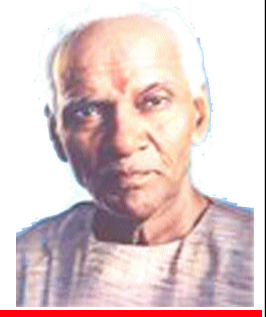

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थी

संपादकीय

आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है

आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

कन्हैयालाल नंदन

कन्हैयालाल नंदन वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार, मंचीय कवि और गीतकार के रूप में मशहूर रहे। नंदन ने पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में अपना अलग मुकाम बनाया। पराग, सारिका और दिनमान जैसी पत्रिकाओं में बतौर संपादक अपनी छाप छोड़ने वाले नंदन ने कई किताबें भी लिखीं। कन्हैयालाल नंदन को भारत सरकार के पद्मश्री पुरस्कार के अलावा भारतेन्दु पुरस्कार और नेहरू फेलोशिप पुरस्कार से भी नवाजा गया।

जीवन परिचय

कन्हैयालाल नंदन का जन्म 1 जुलाई, 1933 में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर ज़िले के परसदेपुर गांव में हुआ था। उनके परिवार में पत्नी और दो पुत्रियां हैं। उनकी एक पुत्री अमेरिका और दूसरी दिल्ली में ही रहती हैं। उनके एक क़रीबी सहयोगी के अनुसार नंदन स्वभाव से बेहद सरल और उच्च व्यक्तित्व के धनी थे। वह बतौर संपादक खोजी पत्रकारिता और नए प्रयोगों के पक्षधर थे। उन्होंने अपने पत्रकारिता जीवन की शुरुआत मशहूर पत्रिका धर्मयुग से की। पत्रकारिता में क़दम रखने से पहले अध्यापन से जुड़े थे।

शिक्षा

कन्हैयालाल नंदन ने डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर से बी.ए, प्रयाग विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से एम.ए और भावनगर विश्वविद्यालय से पीएच.डी. किया।

अध्यापन

चार वर्षों तक बंबई विश्वविद्यालय, बंबई से संलग्न कॉलेजों में हिन्दी-अध्यापन के बाद 1961 से 1972 तक टाइम्स ऑफ़ इंडिया प्रकाशन समूह के 'धर्मयुग' में सहायक संपादक रहे। 1972 से दिल्ली में क्रमशः 'पराग', 'सारिका' और दिनमान के संपादक रहे। तीन वर्ष दैनिक नवभारत टाइम्स में फीचर सम्पादन किया। 6 वर्ष तक हिन्दी 'संडे मेल' में प्रधान संपादक रहने के बाद 1994 से 'इंडसइंड मीडिया' में निर्देशक रहे।

पत्रकारिता

1961 से 1972 तक टाइम्स ऑफ़ इंडिया प्रकाशन समूह के धर्मयुग में सहायक संपादक।

1972 से दिल्ली में क्रमशः पराग, सारिका और दिनमान के संपादक।

तीन वर्ष तक दैनिक नवभारत टाइम्स में फीचर संपाद।

6 वर्ष तक हिन्दी संडे मेल में प्रधान संपादक।

1995 से इंडसइंड मीडिया में निदेशक के पद पर।

रचनाएँ

सत्तर के दशक से अस्सी के दशक के शुरू के काल में बचपन व्यतीत करने वाले ऐसे करोड़ों हिन्दी भाषी लोग होंगे जिन्होंने अपने बचपन में नंदन जी के सम्पादन में प्रकाशित होने वाली बाल-पत्रिका पराग के द्वारा बाल-साहित्य के मायावी, कल्पनात्मक और ज्ञानवर्धक संसार में गोते लगाकर गंभीर और श्रेष्ठ साहित्य पढ़ने की ओर क़दम बढ़ाने के लिये आरम्भिक शिक्षा दीक्षा प्राप्त की। इसी पीढ़ी ने थोड़ा बड़े होकर नंदन जी के सम्पादन में प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं सारिका और दिनमान के ज़रिये देश-विदेश का साहित्य पढ़ने और सम-सामयिक विषयों को समझने की समझ विकसित की।

ज़िन्दगी की ये ज़िद है
ख़्वाब बन के उतरेगी।
नींद अपनी ज़िद पर है
इस जनम में न आएगी
दो ज़िदों के साहिल पर
मेरा आशियाना है
वो भी ज़िद पे आमादा
ज़िन्दगी को कैसे भी
अपने घर बुलाना है।-कन्हैया लाल नंदन

मृत्यु

गुज़रा कहाँ कहाँ से जैसी प्रसिद्ध कृति की रचना करने वाले प्रसिद्ध साहित्यकार कन्हैयालाल नंदन 25 सितंबर, 2010 को दिल्ली में मृत्यु का दामन पकड़ जीवन का साथ छोड़ गये। वे किडनी की बीमारी से बरसों से जूझ रहे थे लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी अपने परिचितों और प्रशंसकों को इस बात की हवा भी नहीं लगने दी। एक घातक बीमारी के साथ पूरी ज़िंदादिली के साथ जीते रहे।

प्रसिद्ध व्यक्तियों के विचार

संचार माध्यमों से परे है एक कवि और रचनाकार नंदन जो वक़्त की रेत पर अपने क़दमों के निशान अमिट रूप में छोड़ता जा रहा है। जब भी मेरे आगे कोई चुनौती भरी घड़ी आ जाती है तब मैं उनकी कविता की कोई न कोई पंक्ति याद कर लिया करता हूँ। -इंद्रकुमार गुजराल

नंदन उन कवियों में से हैं जो कविता के एकांत में नहीं मंझधार में उपस्थित रहते हैं और कविता में उसी तरह भीगते रहते हैं, जैसे नदी अपने पानी में भीगती रहती है और कविता-हीनता के बीच कविता लगातार बनी रहती है। -कमलेश्वर

मैं नंदन जी की शायरी से लुत्फ़अंदोज़ हो चुका हूँ और उनसे मिलकर बेहद मसर्रत हासिल होती है। वह एक रोशन ख़याल और भरपूर शख़्सियत के मालिक हैं। मेरी दुआ है कि उनकी क़लम हक़गोई और बेबाकी के साथ चलती रहे। मेरी दिली ख़्वाहिश है कि उनकी किताबें उर्दू में शाया की जायें- अली सरदार जाफ़री

नंदन जी की रचनाओं में जिस इंसान का चेहरा उभरता है वह जात और इलाक़ों की सीमाओं से मुक्त होकर पूरे आकाश और पूरी धरती के बीच सांस लेता नज़र आता है। -निदा फ़ाज़ली

वे कला-साहित्य के मर्मज्ञ हैं - अखाड़ेदार पत्रकार हैं - धारदार कवि हैं - फिर नंदनजी 'साहित्यिक माफ़ियायों' के काम के क्यों नहीं हैं इस यक्ष प्रश्न का मेरे पास कोई उत्तर नहीं है। -डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल

कन्हैयालाल नंदन उन एडीटरों में हैं जो मज़नून के लिये किसी अदीब का पीछा तो यों करते हैं जैसे कोई मनचला नौजवान किसी लड़की का पीछा कर रहा है। ऐसा ज़ालिम और कठोर एडीटर मैंने किसी और ज़ुबान में नहीं देखा।

यह बात और है कि उनके मज़नून मांगने के अंदाज़ में रफ़्ता-रफ़्ता तब्दीली आती चली जाती है। पहले उनका प्यार भरा खत आयेगा 'बंधुवर! आपका मज़नून फौरन चाहिये।' फिर खट्टामिट्ठा फ़ोन आयेगा, राजा! मज़नून अभी तक नहीं आया, फौरन भेजो।' तीसरी मर्तबा लहजे में सख्ती, 'मुज़्तबा! अगर परसों तक तुम्हारा मज़नून नहीं आया तो मैं तुम्हारा लिखना-पढ़ना तो दूर चलना-फिरना तक दूभर कर दूंगा।' एक बार यहाँ तक कहा, 'विश्वास करो, अगर कल तक तुम्हारा मज़नून नहीं आया तो मेरे हाथों तुम्हारा खून हो सकता है।'-मज़्तबा हुसैन

टाटा की ये कंपनी 1 के बदले दे रही 10 शेयर, 2 दिन में 25% का छप्परफाड़ रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की एक कंपनी ने पिछले 2 दिनों में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। इस कंपनी का नाम है Tata Investment है। इसने अपने निवेशकों को 22 सितंबर को सूचित किया था कि वह स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट निर्धारित कर रही है। इस खबर के बाद ही कंपनी के शेयरों ने तूफानी रफ्तार पकड़ी और 2 दिनों में ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। आज इसके शेयरों में 12 फीसदी से अधिक की तेजी देखी गई है।

टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ने मंगलवार, 22 सितंबर, 2025 को सूचित किया कि कंपनी ने ?10 फेस वैल्यू वाले मौजूदा 1 इक्विटी शेयर को ?1 मूल्य के 10 शेयरों में विभाजित करने के लिए शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने हेतु 14 अक्टूबर, 2025 को रिकॉर्ड डेट के रूप में निर्धारित किया है।

2 दिन में दिया 25 फीसदी का रिटर्न- Tata Investment कॉर्पोरेशन के शेयरों ने बुधवार को क्रस्श्च पर अपनी तेजी जारी रखते हुए ?9,100 के नए उच्च स्तर को छुआ और बाजार में कमजोरी के बावजूद 12 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। पिछले दो कारोबारी दिनों में, 1=10 शेयर विभाजन की रिकॉर्ड तिथि तय होने के बाद, टाटा समूह की इस कंपनी के शेयर की कीमत में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पिछले दो दिनों की तेजी के साथ, टाटा इन्वेस्टमेंट का बाजार मूल्य 17 फरवरी, 2025 को छुए गए अपने 52-सप्ताह के निम्नतम स्तर ?5,147.15 से 77 प्रतिशत बढ़ गया है।

कंपनी ने कहा कि इस स्ह्लश्ष्ध्र स्श्चद्यद्बह्ल का उद्देश्य कंपनी के इक्विटी शेयरों की तरलता बढ़ाना और कंपनी के इक्विटी शेयरों को अधिक किफायती बनाकर खुदरा निवेशकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। Tata Investment Corporation और उसकी सहायक कंपनी, जो एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के साथ निवेश कंपनी की श्रेणी में पंजीकृत है, मुख्य रूप से विभिन्न उद्योगों की कंपनियों के सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों, लोन और म्यूचुअल फंड आदि में निवेश के बिजनेस में लगी हुई है।

5 से सस्ते शेयर को लगे पंख! 20% अपर सर्किट पर पहुंचा; 5 साल में 50 हजार को बना चुका 3.5 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को BSE पर यूनिवर्सल आर्ट्स 4.80 रुपये पर बंद हुआ था। आज बुधवार को ये फ्लैट इसी रेट पर खुला। मगर फिर सवा 11 बजे ये 0.96 रुपये या 20 फीसदी उछलकर 5.76 रुपये पर पहुंच गया। तब से ये इसी रेट पर है और शेयर में 20 फीसदी अपर सर्किट लगा हुआ है।

माइक्रो कैप कंपनी है यूनिवर्सल आर्ट्स- यूनिवर्सल आर्ट्स एक माइक्रो कैप कंपनी है, जिसकी मार्केट कैपिटल सिर्फ 5.74 करोड़ रुपये है। माइक्रो कैप कंपनियों के शेयरों में अस्थिरता बहुत ज्यादा होती है। ये जितनी तेजी से उछलते हैं, उतनी तेजी से गिर भी सकते हैं। इसलिए यदि आप किसी भी माइक्रो कैप कंपनी में निवेश करने की सोच रहे हैं तो बहुत सावधानी के साथ निवेश करें।

5 साल में कर दिया मालामाल- यूनिवर्सल आर्ट्स के शेयर ने बीते 5 सालों में ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। 5 साल में इसका रेट 689.04 फीसदी उछला है। इस दौरान शेयर का प्राइस मात्र 73 पैसे से 5.76 रुपये पर पहुंच गया। 689 फीसदी रिटर्न के हिसाब से इसने निवेशकों के 50000 रुपये को 3.45 लाख रुपये में कंवर्ट कर दिया है।

क्या करती है कंपनी- यूनिवर्सल आर्ट्स लिमिटेड एक मीडिया कंपनी है जो मुख्य रूप से फिल्म राइट्स और संबंधित सेवाओं की खरीद-बिक्री के व्यवसाय में लगी हुई है।

तमिलनाडु में बड़ा दांव खेलने जा रही मुकेश अंबानी की रिलायंस, बनाएगी बिस्किट-मसाले-स्नैक्स ; 2000 लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने तमिलनाडु में 1,156 करोड़ रुपये के निवेश करने का ऐलान किया है। ये निवेश तमिलनाडु में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए किया जाएगा, जिसमें 'स्नैक' से लेकर बिस्किट, मसाले, खाद्य तेल आदि मल्टी-प्रोडक्ट बनाए जाएंगे।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रिलायंस रिटेल वेंचर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी कंपनी है, जिसके चेयरमैन एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी हैं। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की सब्सिडियरी है रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स। यानी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स रिलायंस इंडस्ट्रीज की स्टेप डाउन सब्सिडियरी है।

60 एकड़ जमीन पर होगा प्लांट- रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के तमिलनाडु में इस निवेश की जानकारी राज्य के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने बुधवार को सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने कहा कि कंपनी तूतीकोरिन में तमिलनाडु राज्य उद्योग संवर्धन निगम (एसआईपीसीओटी) अल्लीकुलम औद्योगिक पार्क में 60 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाली इस सुविधा में लोकल स्नैक प्रोडक्ट्स आदि बनाएगी।

2,000 लोगों को मिलेगा रोजगार- राजा ने ये भी बताया कि अगले पांच वर्ष में इस प्लांट से 2,000 स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। अगस्त 2025 में, तमिलनाडु ने तूतीकोरिन में अपना पहला टीएन राइजिंग इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव आयोजित किया था, जिसमें राज्य सरकार ने 32,553.85 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताने वाली कंपनियों के साथ 41 समझौते किए थे।

रिलायंस का शेयर गिरा- इधर शेयर बाजार में रिलायस इंडस्ट्रीज का शेयर थोड़ा फिसला है। क्रस्श्च पर 1389.80 रुपये के पिछले क्लोजिंग लेवल के मुकाबले 1,385.30 रुपये पर खुलने के बाद ये 1,381 रुपये तक फिसला।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, शिप बिल्डिंग इंडस्ट्री के लिए 69,725 करोड़ के पैकेज को मंजूरी, होंगे ये बड़े फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट की बैठक में शिप बिल्डिंग इंडस्ट्री के लिए 69,725 करोड़ के पैकेज को मंजूरी? दे दी गई है। देश की समुद्री क्षेत्र के सामरिक और आर्थिक महत्व को ध्यान में रखते हुए पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस बड़े पैकेज को मंजूरी दी है। खास बात है कि यह पैकेज जहाज निर्माण और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए 4 अहम लक्ष्यों की पूर्ति करेगा।

जिनमें घरेलू क्षमता को मज़बूत करने, दीर्घकालिक वित्तपोषण में सुधार करने, ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड शिपयार्ड विकास को बढ़ावा देने व तकनीकी क्षमताओं और कौशल को बढ़ाने जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं।

सरकार के फैसले से जुड़ी अहम बातें- जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना को 31 मार्च 2036 तक बढ़ाया गया, और कुल राशि 24,736 करोड़ रुपये होगी।

20,000 करोड़ रुपये के समुद्री निवेश कोष के साथ समुद्री विकास कोष को मंजूरी

19,989 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली जहाज निर्माण विकास योजना का लक्ष्य घरेलू जहाज निर्माण क्षमता को 4.5 मिलियन ग्रॉस टैनेज तक बढ़ाना है।

ट्रेन टिकट, UPI नियम, LPG... क्या-क्या बदलेगा? आप पर होगा सीधा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने 1 अक्टूबर से कई बदलाव होंगे। इन बदलावों का आम आदमी की जेब पर बड़ा प्रभाव होने वाला है। मसलन हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर के प्राइस रिवाइज किए जाते हैं।

ऐसे ही ट्रेन टिकट से लेकर यूपीआई तक आपको कई बड़े बदलाव अगले महीने से देखने को मिल सकते हैं। आइए इनके बारे में एक-एक करके बात करते हैं।

1. RBI Repo Rate में होगी कटौती- अगले महीने आरबीआई की मौद्रिक समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक के दौरान रेपो रेट और अन्य वित्तीय संबंधित फैसले लिए जा सकते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार की मौद्रिक समिति में भी आरबीआई रेपो रेट में कटौती कर सकता है।

आरबीआई 0.25 फीसदी की कटौती की जा सकती है। रेपो रेट कम होने से आपको कम ब्याज पर लोन मिल जाता है। साथ ही ईएमआई के तहत जाने वाली किस्त भी कम हो जाती है।

2.PI में होगा बड़ा बदलाव- मीडिया रिपोर्ट की मानें तो यूपीआई अगले महीने बड़ा बदलाव करने जा रहा है। यूपीआई अगले महीने से अपनी पीटूपी सर्विस बंद करने वाला है। इसके तहत अब आप अपने दोस्त या रिश्तेदार से यूपीआई के जरिए उधार नहीं मांग पाएंगे। यूपीआई अपना कलेक्ट या पुल ट्रांजेक्शन फीचर बंद करने जा रहा है।

इस फीचर के तहत यूजर्स अपने जानने वालों से यूपीआई के जरिए उधार लेते हैं। एनपीसीआई ने ये बदलाव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया है।

3. ट्रेन टिकट बुकिंग में बदलाव- 1 अक्टूबर यानी अगले महीने से रेलवे ऐसे यात्रियों को प्राथमिकता प्रदान करेगी, जो Aadhaar Verified होंगे। ऐसे यात्रियों को रेलवे टिकट बुकिंग खुलने से 15 मिनट पहले की प्राथमिकता दी जाएगी। इसका अर्थ है कि ऐसे यात्री 15 मिनट पहले ही टिकट बुक कर पाएंगे।

4. LPG के दाम में बदलाव- हर महीने की पहली तारीख को गैस एजेंसी द्वारा एलपीजी रेट रिवाइज किए जाते हैं। गैस एजेंसी हर महीने 14 किलो वाले घरेलू सिलेंडर और 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमतों में बदलाव किया जाता है।

पीला ही नहीं गुलाबी और सफेद भी होता है सोना; तीनों में क्या फर्क, निवेश के लिए कौन है सबसे बेस्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन आते ही सोने की खरीदारी बढ़ जाती है। शादियों और पूजा-पाठ के मौके पर ज्यादातर लोग गोल्ड ज्वैलरी लेना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सोना सिर्फ पीला ही नहीं होता, बल्कि पिंक और व्हाइट भी मिलता है?

सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन ज्वैलरी की दुनिया में इन दोनों की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में ये सवाल उठना लाज़मी है कि तीनों गोल्ड में फर्क क्या है, कौन सा महंगा है और निवेश या ज्वैलरी के लिहाज से कौन सा सही रहेगा। तो चलिए समझते हैं।

पिंक गोल्ड क्या है- पिंक गोल्ड को रोज गोल्ड भी कहा जाता है। इसमें सोने के साथ कॉपर और थोड़ी सिल्वर मिलाई जाती है। इसका रंग हल्का गुलाबी-लाल दिखाई देता है। यह ज्यादातर रिंग्स, ब्रेसलेट और ट्रेंडी ज्वैलरी में इस्तेमाल होता है। स्टाइलिश और यूनिक लुक की वजह से यह युवाओं में काफी पॉपुलर है। मजबूती और स्क्रैच-रेसिस्टेंट होने के कारण यह रोज़ाना इस्तेमाल के लिए भी अच्छा माना जाता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

ग्वालियर अंचल में भाजपा के सुर-ताल बिगड़ने से नेतृत्व की नाराजगी झलकी

ग्वालियर। ग्वालियर-चंबल अंचल में भाजपा के सुर और ताल दोनों बिगड़े हुए हैं। नाराजगी और असंतोष के बीच बड़े नेताओं के बीच मतभेद के साथ मनभेद भी साफ नजर आने लगे हैं। यह बात संगठन के मूल आधार रहे वरिष्ठ नेता भी अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार भी कर रहे हैं।

प्रदेश और जिलों की कार्यकारिणी गठन के साथ निगम मंडलों में नियुक्तियों से पहले नेताओं के बीच समन्वय और गठन के बाद कार्यकर्ताओं के बीच उपजने वाली असंतोष की भावनाओं को कंट्रोल करने के लिए नौ सदस्यीय छोटी टोली अस्तित्व में आई है। इस टोली में मालवा व विंध्य का तो प्रतिनिधित्व नजर आ रहा है, लेकिन ग्वालियर-चंबल अंचल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।प्रदेश नेतृत्व ने ऐसा क्यों किया? यह सवाल हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता के मन उठ रहा है। क्या प्रदेश नेतृत्व अंचल के नेताओं के संगठन की रीति नीति के विपरीत आचरण से नाराज है। वरिष्ठ नेताओं के पास कार्यकर्ताओं के सवाल का कोई स्पष्ट जवाब तो नहीं है, लेकिन उनका कहना है कि संगठनात्मक निर्णय के लिए कोर कमेटी पहले से गठित है। इसमें अंचल का समुचित प्रतिनिधित्व है।

इनको प्रतिनिधित्व दिया जा सकता था

नौ सदस्यीय छोटी टोली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, संगठन महामंत्री हितानंद, उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवड़ा, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय और राकेश सिंह शामिल हैं।

स्थानीय भाजपा नेताओं का कहना है कि पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, लाल सिंह आर्य, वेदप्रकाश शर्मा सरीखे नेताओं को स्थान दिया जा सकता था। यह नेता संगठन की रीति-नीति से वाकिफ है और सरकार व संगठन में कई दायित्वों का निर्वहन भी कर चुके हैं।

नाराजगी का यह हो सकता है मूल कारण

अंचल की सड़कों को लेकर सिंधिया समर्थक मंत्रियों का मुख्यमंत्री के सामने मुखर होना। अंचल में प्रभुत्व को लेकर विधानसभाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच छिड़ी रार के साथ भिंड जिले के विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह का भिंड के कलेक्टर और जिलाध्यक्ष के विवाद प्रमुख कारण हो सकता है।पहले से गठित है कोर कमेटी

अंचल के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि संगठन के संचालन की दृष्टि से फौरी तौर पर थिंक टैंक माने जाने वाले नेताओं को एक साथ बैठने के लिए कोई नाम दिया जा सकता है, लेकिन सरकार और संगठनात्मक मसलों को सुलझाने व निर्णय करने के लिए पहले से कोर कमेटी गठित है। इस कमेटी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर व पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा पहले से शामिल हैं। नरेंद्र सिंह तोमर ने संवैधानिक पद पर होने के कारण कोर कमेटी से अवश्य दूरी बना ली है।अनुशासनहीनता बढ़ने से यह हो सकता है नुकसान

अंचल में बड़े नेताओं के बीच छिड़े द्वंद और अनुशासनहीनता के बढ़ते मामलों से संगठन और सरकार में होने वाली नियुक्तियों में अंचल को नुकसान हो सकता है। संगठन का शीर्ष नेतृत्व विवाद और असंतोष से बचने के लिए इन नियुक्तियों में दोनों अंचलों की नियुक्तियों को दरकिनार कर सकता है।

मैरिज ब्यूरो के नाम पर लोगों से ऐंठी मोटी रकम, शहडोल में ठगी का भंडाफोड़; दो कर्मचारी गिरफ्तार

शहडोल। कोतवाली पुलिस ने मैरिज ब्यूरो के नाम पर ठगी करने वालों पर कार्रवाई की है। मुखबिर की सूचना पर इस रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। मैरिज ब्यूरो के नाम पर लोगों को झांसा देकर मोटी रकम ऐंठने वाले संचालक को पुलिस ने फरार बताया है जबकि दो कर्मचारियों को हिरासत में लिया है।

पुलिस ने इस मामले में ब्यूरो संचालक और उसके दो कर्मचारियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया है कि गुरु नानक चौक स्थित कर्मभूमि होटल से यह मैरिज ब्यूरो लंबे समय से संचालित किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यहां विवाह संबंधी जानकारी और प्रोफाइल दिखाने के नाम पर आवेदकों से मोटी रकम वसूली जाती थी, लेकिन वादे के अनुसार सेवाएं उपलब्ध नहीं कराई जाती थीं।पुलिस कार्यवाही के दौरान होटल परिसर से डेस्कटाप,लैपटाप और दो दर्जन से अधिक मोबाइल फोन जप्त किए गए हैं।ठगी का काम करने वाले हाईटेक तकनीक का उपयोग कर लोगों को भ्रमित करने और ठगी को अंजाम देने का काम कर रहे थे।

पुलिस द्वारा बरामद इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों में बड़ी मात्रा में डेटा और साक्ष्य मौजूद हैं, जिनके आधार पर रैकेट की वास्तविकता और इसके नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस का कहना है कि जल्दी ही इसका और खुलाशा होगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच की गति तेज कर दी है।इस रैकेट से सैकड़ों युवक, युवतियां और उनके परिवार प्रभावित हो चुके हैं। अब तक सामने आए तथ्यों से स्पष्ट है कि आरोपितों ने व्यवस्थित तरीके से मैरिज ब्यूरो की आड़ में लोगों से लाखों रुपए ठगे हैं।

इस संबंध में कोतवाली टीआई राघवेंद्र तिवारी का कहना है कि ठगी का मास्टर माइंड योगीराज निवासी बिलासपुर अभी फरार है। जबकि इसके दो कर्मचारी शिवम साहू निवासी बिलासपुर तथा दामेंद्र साहू निवासी मुंगेली को अभिरक्षा में लिया गया है।

टाइगर रिजर्वों में सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध, 5000 तक लग सकता है जुर्माना

भोपाल। अब मध्य प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्वों में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित कर दिया गया है। एक अक्टूबर से इन्हें खोला जाएगा और इसके साथ ही प्रतिबंध लागू हो जाएगा। वन विभाग इनका कड़ाई से पालन भी करवाएगा। उल्लंघन करने पर 500 रुपये से लेकर 5 हजार रुपये तक अर्थदंड का भी प्रविधान किया गया है।

बता दें कि पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्क प्रबंधन बायोडिग्रेडिबल पदार्थ से बनी पानी की बोतल सशुल्क उपलब्ध कराएगा। कपड़े के बैग पर्यटकों को सशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे पर्यटक पार्क में प्लास्टिक बैग न लाएं। कपड़े के बैग स्व-सहायता समूह के सदस्यों से तैयार करवाए जाएंगे। इस तरह ईको (पर्यावरण हितैषी) पर्यटन से स्थानीय समुदाय की आजीविका के अवसर विकसित करने का प्रयास भी होगा। इससे उनकी वनों पर उनकी निर्भरता कम होगी और वनों का संरक्षण भी हो सकेगा।स्थानीय समुदाय के लोगों में क्षमता विकास एवं कौशल उन्नयन के लिए गाइड प्रशिक्षण, अतिथि सत्कार, खानसामा और अनुभूति प्रेरक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। प्रयास होगा कि ईको पर्यटन से प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जाए और स्थानीय समुदायों को आर्थिक लाभ के अवसर प्रदान किए जा सकें।

गाइड के कौशल का होगा मूल्यांकन- इसके अलावा, राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्वों और अभयारण्यों में गाइड के कौशल का मूल्यांकन हर वर्ष किया जाएगा। अपेक्षित मापदंडों के नीचे वाले गाइड को रोस्टर से हटा दिया जाएगा। एक अक्टूबर से गाइड का शुल्क भी बढ़ा दिया गया है। अब वनों में वाहन से एक राउंड के भ्रमण पर पर्यटकों को जी-वन श्रेणी के गाइड को 600 रुपये की जगह एक हजार रुपये तथा जी-टू श्रेणी के गाइड को 480 रुपये के स्थान पर 800 रुपये देने होंगे।

प्रदेश में नौ टाइगर रिजर्व

कान्हा टाइगर रिजर्व
बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व
सतपुड़ा टाइगर रिजर्व
पेंच टाइगर रिजर्व
पन्ना टाइगर रिजर्व
रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व
संजय दुबरी टाइगर रिजर्व
डॉ. विष्णु वाकणकर (रातापानी) टाइगर रिजर्व

माधव टाइगर रिजर्व-ये राष्ट्रीय उद्यान भी हैं। इसके अलावा दो अन्य राष्ट्रीय उद्यान यानी कुल 11 हैं। प्रदेश में 26 अभयारण्य हैं।सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सिंगल यूज प्लास्टिक पहले से ही प्रतिबंधित है। अन्य टाइगर रिजर्वों और राष्ट्रीय उद्यानों में भी अब इसे प्रतिबंधित किया गया है। इसका और अधिक कड़ाई से पालन करवाया जाएगा।

ग्रामीणों ने किया चक्का जाम, गोरखपुर-अमरकंटक मार्ग पर विरोध प्रदर्शन

डिंडौरी गोरखपुर। जिले के विकासखंड करंजिया क्षेत्र अंतर्गत कस्बा गोरखपुर की छोटी पुलिया से पास से ग्राम चरखुटिया पहुंच मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार की सुबह डिंडौरी से अमरकंटक मार्ग पर चक्का जाम कर दिया।

जानकारी लगने पर नायब तहसीलदार करंजिया शैलेष गौर, गाड़ासरई थाना प्रभारी गिरवर सिंह उईके पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। नायब तहसीलदार द्वारा आठ दिन के अंदर अतिक्रमण हटाकर वैकल्पिक व्यवस्था कराए जाने का आश्वासन दिया गया।इसके बाद ग्रामीण माने और सुबह 10 बजे से लगा जाम लगभग 11 बजे के आसपास समाप्त हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि हाईवे से लगी गोरखपुर की छोटी पुलिया के पास से चरखुटिया गांव की जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण होने के चलते रास्ता ही नहीं बन पा रहा है।आने-जाने में ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की माने तो प्रत्येक सोमवार को गोरखपुर साप्ताहिक बाजार में खरीदी के लिए आते हैं। आने जाने के लिए मार्ग न होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

गौरतलब है कि ग्रामीणों की समस्या को नईदुनिया द्वारा पूर्व में प्रकाशित भी किया जा चुका है। इसके बाद भी जिम्मेदारों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया जिससे त्रस्त होकर ग्रामीणों को चक्का जाम करना पड़ा।

सिंहस्थ के निर्माण कार्यों का वरिष्ठ अधिकारी लगातार करें निरीक्षण: नगरीय प्रशासन मंत्री श्री विजयवर्गीय

गुणवत्ता के साथ तय समय पर पूरे हों निर्माण कार्य

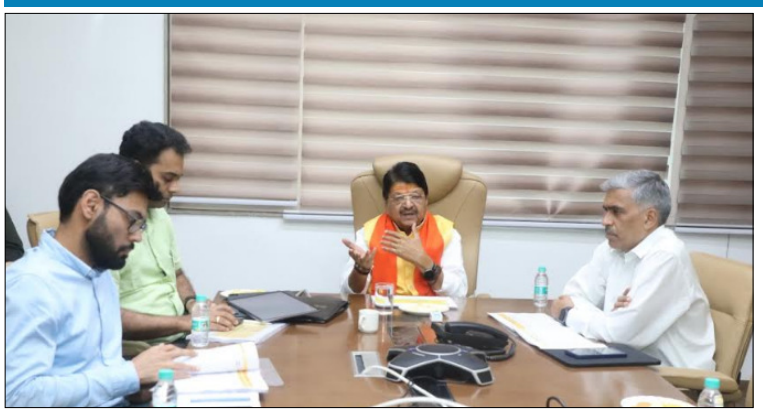

इंदौर। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों को सिंहस्थ के निर्माण कार्यों का उज्जैन पहुँचकर निरीक्षण करने के निर्देश दिये हैं। मंत्री श्री विजयवर्गीय सोमवार को मंत्रालय में बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में ही पूरा किया जाये। बैठक में बताया गया कि करीब 11 हजार 909 करोड़ रुपये के विभिन्न विभागों के 132 कार्यों को मंत्रि-मण्डलीय समिति की अनुशंसा दी जा चुकी है। यह कार्य सिंहस्थ और विभिन्न विभागों की मद से किये जा रहे हैं। इन कार्यों के लिये करीब 673 करोड़ रुपये की राशि भी जारी की जा चुकी है। वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ कार्यों में संस्कृति और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पीपीपी मोड पर होने वाले कार्यों को भी मंजूरी दी गयी है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिये राज्य सरकार की ओर से संसाधनों की कमी नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने आयोजन की बेहतर व्यवस्था के लिये विभिन्न विभागों के साथ लगातार बैठक करने के भी निर्देश दिये। बैठक में रेलवे द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि मेला क्षेत्र में ट्रेन से पहुँचने वाले यात्रियों की सुविधा के लिये रेलवे स्टेशन के पास ही पर्याप्त मात्रा में स्नान-गृह एवं सुलभ कॉम्पलेक्स की व्यवस्था हो। नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि उज्जैन से जुड़े धार्मिक क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों के चौड़ीकरण कार्य को प्राथमिकता दी जाये। उन्होंने आकस्मिक सेवा, जिनमें अग्निशमन, स्वास्थ्य, पेयजल आदि की भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि निर्माण कार्यों के साथ मेला क्षेत्र की मेपिंग का कार्य भी किया जाये, जिससे आवागमन सुविधाजनक हो सकेगा। उन्होंने कान्ह नदी के डायवर्सन, सिंहस्थ में क्षिप्रा नदी में जल की निरंतर प्रवाह योजना, घाट निर्माण के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने उज्जैन संभाग के बस स्टैण्ड के उन्नयन की योजना के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने बताया कि सिंहस्थ के दौरान रेलवे की बेहतर व्यवस्था के लिये आकलन कर जरूरी प्रस्ताव रेलवे मंत्रालय को भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को मंजूरी मिल गयी है, संबंधित एजेंसी को डीपीआर तैयार कर जल्द काम शुरू करने के लिये कहा गया है। निर्माण कार्य और व्यवस्था से जुड़े सभी काम दिसम्बर-2027 तक हर हाल में पूरे किये जायेंगे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि ऊर्जा विभाग के 329 करोड़ रुपये के कार्यों को मंजूरी दी जा चुकी है। इंदौर-उज्जैन मार्ग का 6 लेन में चौड़ीकरण का कार्य 1692 करोड़ रूपये और इंदौर-उज्जैन वैकल्पिक मार्ग 4 लेन लम्बाई 49 किलोमीटर के लिये 950 करोड़ रुपये की मंजूरी दी जा चुकी है।

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जिले में अनेक गतिविधियां आयोजित

इंदौर। इंदौर जिले में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। यह आयोजन कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में हो रहा है। बताया गया कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जिले के अनेक गाँवों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए गए। साथ ही स्वच्छता का अभियान भी चलाया गया। नागरिकों को स्वच्छता का संकल्प भी दिलाया गया।

पखवाड़े के अंतर्गत जिले में शासकीय हाई स्कूल आंबाचंदन महू में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को अपने हाथों की सही से सफाई करने के तरीकों के बारे में जानकारी देकर हाथ धुलायें गए। आंगनवाड़ियों में महिलाओं, बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा सम्पूर्ण पोषण संबंधी जानकारी दी गई। इसी तरह ग्राम पंचायत भांग्या में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की गई।

अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव' का दूसरा दिन...यज्ञ आहुतियों और देवी भागवत कथा का लाभ लेने पहुंच रहे हजारों भक्त और अनुयायी

इंदौर। इंदौर में चल रहे 'अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव' में आने वाले भक्तों और अनुयायियों को कल हुई तेज बारिश भी नहीं रोक पाई। वक्त से पहले पहुंचे भक्तों ने सुबह विशेष साधना के बाद महायज्ञ और फिर देवी भागवत कथा का श्रवण किया। इसके बाद देर रात तक हजारों भक्तों ने निःशुल्क व्रत और सामान्य भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

ये भव्य और अद्वितीय धार्मिक आयोजन 2 अक्टूबर तक वीआईपी परस्पर नगर में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में हो रहा है। महीनों पहले से यहां अनुयायी आकर सेवा कर रहे हैं। अब इंदौर के भक्तों से परिसर की रौनक बढ़ी है। हर उम्र के श्रद्धालु यहां सुबह से देर रात तक धर्म का लाभ लेने के लिए पहुंच रहे हैं।

कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने बताया कि इस साल की नवरात्रि खास है, जो सैकड़ों वर्षों में देखने में आती है। नवरात्रि के दूसरे दिन भी काशी से आए 145 विद्वान पंडितों ने 1 करोड़ कुमकुम अर्चन में से 10 लाख कुमकुम अर्चन की आराधना की। दोपहर 3 से 6 बजे तक विशेष महायज्ञ में जाप के साथ 1 लाख विशेष आहुतियां दी गई, जिसमें देश-विदेश से आए अनुयायियों के साथ शहर और आसपास के सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष शामिल हुए। इससे पहले सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक विशेष साधना भी हुई।

मंत्रि–परिषद ने सार्वजनिक निजी भागीदारी से हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की दी स्वीकृति

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की स्वीकृति प्रदान गई है। संपूर्ण प्रदेश के हवाई अड्डों, हैलीपेड एवं हवाई पट्टियों के बीच निजी ऑपरेटर द्वारा चयनित स्थानों पर हैलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जायेगी।

हैलीकॉप्टर का संचालन तीन सेक्टरों में किया जाएगा। सेक्टर-1 में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगौन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-2 में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर शामिल होंगे।

सुनील जायसवाल को मिला केसरी सेवा सम्मान

इंदौर। प्रेस क्लब परिसर, संस्था केसरी फॉउंडेशन द्वारा आधार कार्ड के जनक एवं परि-कल्पना कार सुनील जायसवाल इंदौर को अपने उत्कृष्ट कार्य आधार कार्ड के जनक एवं परि-कल्पना कार के नाते केसरी सेवा सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया, केसरी फाऊंडेशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में संस्था की अध्यक्ष रोमा मल्होत्रा ने बताया की यह सम्मान उन लोगों की महान आत्माओं को समर्पित है जिन्होंने अपनी निस्वार्थ सेवा से अपने अद्वितीय योगदान से देश समाज और दुनिया को गौरवान्वित किया है उन लोगों के उत्कृष्ट कार्य द्वारा जो व्यक्तित्व समाज व देश की भलाई करने में लगें हैं उनको सम्मान प्रदान किया गया है, कार्यक्रम श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर परम पूज्य श्री नितिन दास जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ, मुख्य अतिथि विधायक इंदौर क्षेत्र क्रमांक 3 के श्री गोलू शुक्ला जी, विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष बी.जे.पी. जीतू जिराती जी, राष्ट्रिय महासचिव भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ, नई दिल्ली डॉ. नवीन आनंद जोशी, श्री गुरु सिंग सभा, इंदौर के अध्यक्ष मोनू भाटिया, केसरी उपाध्यक्ष संजय मिश्रा, केसरी उपाध्यक्ष संजीव मल्होत्रा, केसरी सचिव ललीता नज़ान, कोषाध्यक्ष रोहन मल्होत्रा, केसरी मनोज जी, केसरी संरक्षक तेजपाल जी चावला और वरीष्ठ गणमान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे इस दौरान आधार कार्ड के जन्म की कहानी का इतिहास आधारायण-ग्रंथ किताब भी भेंट की गई।

सप्ताह भर होंगे जागरूकता के अनेक कार्यक्रम

इंदौर। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जिले में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के प्रति समाज में जागरूकता लाने की दृष्टि से अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह का आयोजन शुरू किया गया। आगामी 28 सितंबर तक अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह ÷सांकेतिक भाषा के अधिकार के बिना कोई मानवाधिकार नहीं÷ थीम पर आयोजित किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त संचालक श्री पवन सिंह चौहान ने बताया कि आज अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर शासकीय, अशासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के देवी अहिल्याबाई होलकर ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यशाला में उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा विभाग के प्रोफेसर, प्राचार्य, शिक्षकगण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाईजर जिला शिक्षा केन्द्र के मोबाईल स्त्रोत सलाहकार के साथ-साथ स्वैच्छिक संस्थाओं के शिक्षक प्रशिक्षकों प्रतिभागी रहें। मूक बधिर संगठन सुची पेट्रिक द्वारा प्रेजेन्टेशन तथा सांकेतिक भाषा अनुवाद किया गया। सुनील पाटीदार एवं यश पेट्रिक द्वारा साइन लैंग्वेज के बारे में बताया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह श्रवणबाधित दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाली सभी संस्थाओं के द्वारा अपने-अपने स्तर पर मनाया जाकर जागरूकता फैलाई जायेगी। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर इंदौर द्वारा की गई। सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक श्री पवन सिंह चौहान द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

श्रम विभाग द्वारा सुरक्षा अधिकारियों एवं प्रबंधन हेतु सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

इंदौर। प्रदेश में स्थित कारखानों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था के साथ-साथ प्रबंधन का सुरक्षा के संबंध में समुचित रूप से प्रशिक्षित होना भी आवश्यक है, ताकि सुरक्षा अधिकारियों को नवीनतम सुरक्षा मानकों, प्रक्रियाओं और आपदा प्रबंधन तकनीकों की जानकारी से अद्यतन रखा जा सके। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु श्रम विभाग द्वारा निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसी तारतम्य में श्रम विभाग द्वारा आगामी 25 सितम्बर 2025 को एक दिवसीय सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम कारखाना ब्रिजस्टोन पीथमपुर एवं 26 सितम्बर 2025 को एच.ई.जी मण्डीदीप भोपाल में श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल के गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

हर महिला को साहसपूर्वक अन्याय और अव्यवहारिकता का सामना करना और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठानी चाहिए-प्रो. उपाध्याय

उज्जैन । सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के शलाका दीर्घा सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ÷नारी की संवैधानिक शक्ति एवं महिलाओं के कानूनी अधिकार÷ विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के प्राध्यापकों, छात्र-छात्राओं एवं एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के विधि अध्ययनशाला की प्राध्यापिका डॉ. कीर्ति पटेल रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा की गई एवं कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक

डॉ. डी.डी. बेदिया, पुरातत्वविद् डॉ. रमन सोलंकी, एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. अजय शर्मा एवं कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत पौराणिक आदि गणमान्य उपस्थित रहें।

मुख्य वक्ता समाजशास्त्र अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति उपाध्याय ने अपने उद्बोधन मे कहा कि संविधान ने नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के अनेक अधिकार दिए हैं, किंतु महिलाएं आज भी उनमें से कई अधिकारों से अनभिज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि हर महिला को साहसपूर्वक अन्याय और अव्यवहारिकता का सामना करना चाहिए और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठानी चाहिए। प्रो. उपाध्याय ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों की एक विशेष टोली बनाई जाए, जो महिलाओं के कानूनी अधिकारों और उनके सशक्तिकरण पर चर्चा एवं जागरूकता फैलाने का काम करें।

मुख्य वक्ता विधि अध्ययनशाला की प्राध्यापिका डॉ. कीर्ति पटेल ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। दुनिया की आधी आबादी महिलाओं की है, इसके बावजूद आज भी समाज में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता महसूस की जाती है। उन्होंने बताया कि वैदिक काल में महिलाएं हर दृष्टि से सशक्त थीं, किंतु समय के साथ सामाजिक परिस्थितियों ने उनकी स्थिति को कमजोर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न संवैधानिक अनुच्छेदों, आरक्षण संबंधी प्रावधानों और महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

74वीं ऑल इंडिया पुलिस रेसलिंग क्लस्टर चैंपियनशिप में हुआ राष्ट्रीय निर्णायक स्वामी मुस्कुराके विशिष्ट अभिनंदन

उज्जैन। 74वीं ऑल इंडिया पुलिस रेसलिंग क्लस्टर चैंपियनशिप का विशिष्ट आयोजन इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन मुंबई के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ।

ऑल इंडिया पुलिस बॉडीबिल्डिंग स्पर्धा में संपूर्ण भारत के 182 शरीर साधकों ने राष्ट्र भक्ति के गीतों पर थिरकते हुए मांसपेशियों का उम्दा प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा में हरियाणा के पुलिस बॉडीबिल्डर राकेश कुमार को चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब प्रदान किया गया। चैंपियनशिप में उज्जैन मध्य प्रदेश से निर्णायक के रूप में सहभागिता करने वाले राष्ट्रीय निर्णायक शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके को आईजी विनोद कुमार, डीएसपी पूर्व इंटरनेशनल कबड्डी प्लेयर शमशेर सिंह, पद्मश्री पूर्व मिस्टर यूनिवर्स प्रेमचंद ढींगरा, इंटरनेशनल बॉडीबिल्डिंग फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी चेतन पठारे, द्रोणाचार्य अवार्डी बॉडीबिल्डिंग टी.वी .पोली केरल द्वारा सम्मानित किया गया एवं आकर्षक मोमेंटो द्वारा विशिष्ट अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर स्टेट बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अतिन तिवारी, इंटरनेशनल निर्णायक रोहित जेठवा विशेष रूप से उपस्थित थे।

1 नवंबर को होगा महाकाल कपल ग्रुप का शुभारंभ

उज्जैन। उज्जैन शहर के सबसे बड़े पारिवारिक सामाजिक, धार्मिक मनोरंजन एवं व्यवसायिक क्लब का शुभारंभ 1 नवंबर को होने जा रहा है। इस हेतु सदस्यता प्रारंभ की गई है जिसकी अंतिम तारीख 20 अक्टूबर शुक्रवार 2025 है।

विनी अग्रवाल, स्वाति चौधरी ने बताया कि महाकाल कपल ग्रुप द्वारा सामाजिक सरोकार के साथ इस वर्ष के नवंबर माह में दीपावली मिलन समारोह, 31 दिसंबर को समारोह, वर्ष 2026 में न्यू ईयर मिलन समारोह, फरवरी में वैलेंटाईन डे, मार्च में होली मिलन, अप्रैल में पुल पार्टी, मई में गेट ट गेदर, जून में पिकनिक, जुलाई में वृक्षारोपण, अगस्त में जन्माष्टमी, सितंबर में मिलन समारोह एवं अक्टूबर 2026 में गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। उक्त सभी कार्यक्रम रविवार एवं शासकीय अवकाश पर होंगे।

नारी शक्ति एक्सप्रेस प्रारंभ, तीन दिनों तक कराएंगे माता मंदिरों के दर्शन

उज्जैन। स्व. जगदीश यादव सेवा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय नारी शक्ति एक्सप्रेस 24 सितंबर बुधवार से प्रारंभ हुई। विवेक (विक्की) यादव सेवादार द्वारा आयोजित इस निःशुल्क मंदिर दर्शन यात्रा में 26 सितंबर तक हजारों महिलाओं को उज्जैन शहर के माता मंदिरों के दर्शन कराएं जाएंगे।

राजेश बाथली ने बताया पशुपतिनाथ मंदिर चामुण्डा माता चौराहा से महामंडलेश्वर शैलेशानंदजी महाराज, वार्ड क्रमांक 1 के पार्षद परमानंद मालवीय के आतिथ्य में यात्रा प्रारंभ हुई। विवेक (विक्की) यादव द्वारा सिर्फ नारी शक्ति के लिए 26 सितंबर तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से पशुपतिनाथ मंदिर चामुण्डा माता चौराहा से यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान प्रमुख रूप से पंकज यादव, जगदीश सूर्यवंशी, पीयूष व्यास, प्रतिश शर्मा, शेरसिंह चौहान, सौरभ नागर, परशुराम जाट, विशाल यादव, रविंद्र यादव, आशीष यादव, दीपक कुशवाह, दिलीप मंडावलिया, तनिष्क जाट, चेतन चौधरी, अभिषेक सोलंकी, आदित्य गहलोत, नितिन तोमर, आलोक बॉस, जितेंद्र मंडोर, हेमंत बैरागी, अरुण राठी, हार्दिक चतुर्वेदी सहित हजारों की संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर किया पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता जैन मंगलम का सम्मान

'नौजवान आओ रे, नौजवान गाओ रे', गीत गाकर बताया राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शेखर मैदमवार कार्यक्रम समन्वयक विक्रम विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव व महाविद्यालय की पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता मंगलम ने विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। तत्पश्चात एनएसएस की छात्रा शालिनी प्रजापति व उषा द्वारा लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीरा यादव व प्रो. मोनिका परमार ने बताया कि स्थापना दिवस के इस गौरवशाली दिवस पर महाविद्यालय में लगातार 17 वर्षों तक राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अपनी सेवा, समर्पण व सहयोग करने के लिए डॉ. कविता जैन मंगलम का शाल, श्रीफल, माला द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे नवागत कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शेखर मैदमवार का भी एनएसएस की इकाईयों द्वारा शाल, श्रीफल, माला से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. शेखर मैदमवार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सेवा का भाव जगाती है जो कि मनुष्य जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्राओं को बताया कि 1969 में गांधीजी की जन्म शताब्दी वर्ष पर एनएसएस की स्थापना की गई थी। समय-समय पर जो शिविर का आयोजन होता है उससे विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति सेवा की प्रतिबध्दता एवं स्वयं में आत्मविश्वास का भाव जगाता है। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. अंजना बुंदेला ने कहा कि युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंदजी भी सेवा को ही महत्व देते थे। अतः राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ना भी अपने आप में महत्व रखता है। राजनीति विभाग के डॉ. मनीष परमार ने नौजवान आओ रे नौजवान गाओं रे गीत को स्वयं छात्राओं के साथ गाकर राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य को स्पष्ट किया। स्वागत भाषण व अतिथि परिचय डॉ. कविता जैन मंगलम ने दिया एवं संचालन प्रो. मोनिका परमार ने किया व आभार डॉ. मीरा यादव ने माना। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

राउंड टेबल उज्जैन 375 ने स्कूल निर्माण में अपनी सेवा दी एवं भूमि पूजन किया

उज्जैन। चिंतामन रोड स्थित हासामपुर ग्राम में राउंड टेबल उज्जैन संस्था द्वारा स्कूल निर्माण के भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करना और उन्हें अच्छी जगह बैठकर शिक्षा लेने का अवसर देना है। संस्था के अध्यक्ष सौमिल मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल में बच्चों के लिए चार रूम बनाने की आवश्यकता थी, जिसे ध्यान में रखते हुए संस्था ने निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संस्था एवं स्कूल के स्टाफ के लोग उपस्थित थे। संस्था का उद्देश्य समाज के विकास में योगदान देना है, और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करना है। देश भर में राउंड टेबल इंडिया संस्था शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करती है, और समाज के बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com